p>

Title: Need to give financial aid for modernisation and salary of Madarsa teachers.

डॉ. एस. टी. हसन (मुरादाबाद): अध्यक्ष जी, मैं शुक्रिया के साथ आपको बहुत-बहुत मुबारकबाद देना चाहता हूं कि 17वीं लोक सभा में आप नए कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं । मैं आपका ध्यान एक जटिल समस्या की तरफ दिलाना चाहता हूं, क्योंकि हमारे लर्नेड प्राइम मिनिस्टर यह चाहते हैं कि हिंदुस्तान के मुसलमान के एक हाथ में कुरानशरीफ हो और दूसरे हाथ में कम्प्यूटर हो । इस दिशा में वर्ष 1993-94 में मदरसों के आधुनिकीकरण के लिए प्रस्ताव आया था और मदरसों के लिए तकरीबन 50 हजार मदरसा शिक्षकों को रखा गया था । मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मदरसों के लिए जो बजट दिया जाता है, वह मुसलसल कम होता चला गया । वर्ष 2016-17 में 370 करोड़ रुपये से लेकर आज 120 करोड़ रुपये का बजट है । इसका नतीजा यह हुआ कि तकरीबन 40 महीने से इन गरीब लोगों को तनख्वाह नहीं मिली है । जो लोग 30-35 हजार रुपये कमाते हैं, आप सोचिए कि साढ़े तीन साल उन्होंने अपनी जीविका किस तरह से चलाई होगी । इनमें से 13 लोग अननेचुरल डेथ से मरे हैं, जिनमें से पांच-छ: लोगों ने खुदकुशी की है । मेरी आपके माध्यम से सरकार से गुजारिश है कि इन मदरसा टीचर्स के ऊपर रहम करते हुए इनकी तनख्वाह का इंतजाम किया जाए और हम उस डायरेक्शन में आगे बढ़ें, जो प्रधान मंत्री जी का सपना है कि 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास ।'